04425

No. of Printed Pages : 6

BPY-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination, 2019

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 100**

Note : Answer **all five** questions. All questions carry **equal** marks. Answers to **Question No. 1** and **2** should be in about **400** words each.

1. What are vedangas ? Explain their functions in detail. [20]

OR

Explain the meaning, nature and various stages of Religion.

2. What is religious pluralism ? Explain some practical responses to religious pluralism. [20]

OR

Explain the Cosmology of Uddaalaka as described in the Chhandogya Upanishad in detail.

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :

(a) Explain the psychological origin of religion. [10]

(b) Discuss the nature of Brahman as described in the Mundaka Upanishad. [10]

(c) What is the notion of God according to Immanual Kant ?. [10]

(d) Give an account of the practical teachings of Buddhism. [10]

4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Explain briefly the metaphysical views of Buddhism. [5]

(b) Briefly explain the unique features of Svetasvatara Upanishad. [5]

(c) Discuss Descartes' argument for the existence of God. [5]

(d) What do you mean by Naturalistic forms of Religions ? [5]

(e) Explain the natural attributes of God. [5]

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Religion of humanity [4]

(b) Polytheism [4]

(c) Agnosticism [4]

(d) Moksha [4]

(e) Tri ratnas in Jainism [4]

(f) Empiricism [4]

(g) Marx's views on religion [4]

(h) Nirvana [4]

----- x -----

बी.पी.वाई.-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा, 2019

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग - I

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 100**

नोट : **सभी पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं। प्रश्न संख्या **1** और **2** में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।

1. वेदांग क्या हैं ? उनके कार्यों की विस्तार से व्याख्या कीजिए। [20]

अथवा

धर्म के अर्थ, स्वरूप और विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए।

2. धार्मिक बहुलतावाद क्या है ? धार्मिक बहुलतावाद के प्रति कुछ व्यावहारिक प्रतिक्रियाओं की व्याख्या कीजिए। [20]

अथवा

छान्दोग्य उपनिषद में वर्णित उद्दालक के ब्रह्माण्ड शास्त्र की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(a) धर्म की मनोवैज्ञानिक उत्पत्ति की व्याख्या कीजिए। [10]

(b) मुण्डक उपनिषद् में प्रस्तुत ब्रह्म की प्रकृति पर चर्चा कीजिए। [10]

(c) इमेन्यूअल कांट की ईश्वर की अवधारणा क्या है ? [10]

(d) बौद्ध दर्शन की व्यावहारिक शिक्षाओं का विवरण प्रस्तुत कीजिए। [10]

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(a) बौद्ध दर्शन के तत्वमीमांसीय विचारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। [5]

(b) श्वेताश्वतर उपनिषद् के विशिष्ट लक्षणों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। [5]

(c) ईश्वर की सिद्धि में प्रस्तुत देकार्त के तर्क को स्पष्ट कीजिए। [5]

(d) धर्म के प्राकृतिकवादी रूप से आप क्या समझते हैं ? [5]

5. **किन्हीं पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में (प्रत्येक) टिप्पणि लिखिए।

(a) मानवता का धर्म [4

(b) बहुदेववाद [4

(c) अज्ञेयवाद [4

(d) मोक्ष [4]

(e) जैन दर्शन के त्रिरत्न [4]

(f) अनुभववाद [4]

(g) धर्म पर मार्क्स के विचार [4]

(h) निर्वाण [4]

----- x -----